जून 2023

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

लोक जागरण अभियान

विजय का बिगुल

R.N.I. No. 68832/97

समाजवादी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से और प्रखर बनाने में प्रशिक्षण शिविरों का अत्यंत महत्व है। यही कारण है कि अपने स्थापना काल के शुरुआती वर्षों से ही सपा में प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन होता रहा है। समाजवादी आंदोलन को सतत गतिमान बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण बेहद जरूरी है।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

जून 2023

वर्ष 24| संख्या 08

प्रिय पाठकों

आप सभी के प्यार, उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन से आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन, बदली हुई साज-सज्जा के साथ अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। हम आपके आभारी हैं कि अभी तक के सफर में हम आपकी कसौटी पर खरे उतर सके हैं। हम भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृपया अपना प्यार यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

लोक जागरण क्यों? 04

08 कवर स्टोरी

विजय का बिगुल

एनडीए को हराएगा पीडीए 26

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों यानि पीडीए की एकता, एनडीए-भाजपा गठबंधन पर भारी पड़ने जा रही है। पीडीए (पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक) मिलकर एनडीए को हराएंगे और जिस तरह 2014 में भाजपा सत्ता में आई थी, उसकी यूपी से वैसे ही विदाई तय है।

अघोषित आपातकाल ज्यादा खतरनाक 36

आजम साहब पर दर्ज फर्जी मुकदमों का विरोध 43

लोक जागरण क्यों?

उदय प्रताप सिंह

स्वस्थ लोकतंत्र की यह मान्य परंपरा है कि हर राजनीतिक दल को अपनी सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक अवधारणाओं से, उनके सामाजिक दर्शन से राजनीतिक दर्शन से, ईमानदारी से मतदाताओं को अवगत कराना चाहिए। साथ ही राजनीतिक दल को अपने भविष्य की योजनाएं, कार्यक्रम की जो भी रूपरेखा है और संसाधन जुटाने के उपाय हैं उनके बारे में भी मतदाता को समय-समय पर अवगत कराते रहना चाहिए।

पिछले कुछ सालों से राजनीति में यह ईमानदारी कमजोर हो रही है। कुछ दल बड़े-बड़े लफ्फाजी वायदे तो करते हैं और वायदों के साथ नितांत जुमलेबाजी करके झूठे सपने भी दिखाते हैं, जैसे भाजपा ने पिछले चुनाव में 15 लाख रुपए हर निर्धन को देने की बात कही थी, 2 करोड़ नौकरियां देने की बात कही थी लेकिन 15 लाख रुपया देना तो दूर रहा उलटे नोटबंदी जैसी गलत नीतियों से हजारों की नौकरी चली गई और कई छोटे-मोटे धंधे बंद हो गए।

बेकारी घटने के बजाय गरीबी बढ़ गई,

महंगाई बढ़ी और बीमारी बढ़ी। इतना ही नहीं इस सरकार ने धार्मिक सहिष्णुता और गंगा जमुनी संस्कृति को कमजोर कर कट्टरपंथ द्वारा सामाजिक वैमनस्य आमंत्रित करने का षड्यंत्र रचाया। यह ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें जनता को जानना चाहिए कि कौन सी पार्टी केवल जुमलेबाजी कर रही है और किस पार्टी ने अपने कार्यकाल में वास्तव में काम किया है या प्रयासरत रहीं।

समाजवादी पार्टी ने अपने कार्यकाल में अनेक ऐसे काम किए हैं जो कि लोक हितकारी थे लेकिन झूठे जुमलेबाजी के फेर में आकर और धार्मिक कट्टरता और ध्रुवीकरण के कारण असली मुद्दों और समस्याओं और आवश्यकताओं को नजरअंदाज करके धार्मिक भावुकता में बीजेपी को वोट दिया गया। नतीजा, गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई के विश्व सूचकांक में भारत सभी विकासशील देशों की तुलना में बहुत पिछड़ गया। यह सचाई गोदी मीडिया ने जनता से छुपाने में कोई कमी नहीं रखी।

किसी सरकार की नीति और नीयत जब साफ नहीं होती है तो वह लोक हितकारी सरकार को और लोकतंत्र की भावना को कुछ लोगों के हित के लिए नजरअंदाज कर देती है। यही काम भाजपा ने बड़े पैमाने पर किया है।

नतीजा यह है कि दुनिया के दूसरे देशों में हमारे लोकतंत्र के स्तर में जो कमी आई है उस पर अफसोस जाहिर किया गया है। इस सरकार ने संविधान, लोकतंत्र, गणतंत्र की मूल भावना को केवल नजरअंदाज ही नहीं किया है बल्कि उनके विरुद्ध काम किया है। कई बार तो सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के आदेशों की अवहेलना करके सरकार अपने स्वार्थ में काम करती है उसके अनेक उदाहरण हैं।

यह सब ऐसी बातें हैं जोकि आम आदमी तक पहुंचानी चाहिए और आम आदमी को जागरूक करना चाहिए कि आपको मुफ्त भोजन देने की आड़ में आपकी किस्मत पर ताला लगाया जा रहा है । यह मुफ्त भोजन कोई सरकार अपने पास से नहीं देती। यह जनता का पैसा है जिसको देकर वह अपना नाम कमाती है और वोट पाती है। यह परंपरा बहुत घातक है और इससे आपके बच्चों की पढ़ाई, आपके बच्चों का भविष्य उनके स्वास्थ्य के लिए जो पर्याप्त योजनाएं बनानी चाहिए, उसपर पर्दा डालने के लिए यह सब काम करती है। ऐसी योजनाएं बनाने की जगह सरकार ने सार्वजनिक संस्थाओं को अपने स्वार्थ में प्रयोग करना शुरू कर दिया है।

स्वायत्तता प्राप्त संस्थाओं की स्वायत्तता समाप्त कर दी गई है। मीडिया जिसे लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ माना जाता था उसे खोखला कर दिया गया है। लोकतंत्र में मीडिया का काम होता है कि जनता की तरफ से जनता के हित में सरकार की नीतियों पर सवाल करे और जिन योजनाओं से जिन कामों से जनता असंतुष्ट हो, पीड़ित हो उनकी सूचना सरकार को दे। लोकतंत्र का मूलमंत्र जवाबदेही है। यह तभी संभव है जब सरकार

से सवाल करने की स्वतंत्रता जनता को भी हो विपक्ष को भी हो और मीडिया को भी हो। इस सरकार ने विपक्ष के लोगों पर झूठे सच्चे आरोप लगाकर सीबीआई और ईडी का भय दिखाकर उनके मनोबल को तोड़ने का पूरा षड्यंत्र किया है।

यह सारी बात जनता के संज्ञान में होनी चाहिए। मतदाता को मालूम होना चाहिए कि उनके असली मुद्दे शिक्षा, पढ़ाई, बीमारी, बेकारी, गरीबी, महंगाई को छोड़कर धर्म या सिनेमा या साहित्य के कार्यकलापों पर ऐसी बहसें की जा रही हैं जिससे समाज में धार्मिक वैमनस्य बढ़े और इन समस्याओं के बदले जनता धर्म के नाम पर वोट देने लगे। जिस दिन जनता धर्म के नाम पर वोट देने लगेगी लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा।

इस बात का ध्यान रखते हुए हमारे लोकतंत्र हमारे संविधान में व्यवस्था की गई है कि हर व्यक्ति को हर राजनीतिक दल को अपने-अपने धर्म और अपनी अपनी सामाजिक परंपराओं को मानने और उनपर चलने की पूरी आजादी है लेकिन इतना ध्यान रखना पड़ेगा कि हम अपनी आजादी से दूसरे धर्म या दूसरे संप्रदाय के लोगों की आजादी में दखलअंदाजी न करें। अपने निहित स्वार्थ में लोकतंत्र की और संविधान की मूल भावना की अवमानना न करें लेकिन इस सरकार ने जानबूझकर सोच समझकर संविधान की भावनाओं का आदर नहीं किया है बल्कि उनका उल्लंघन करके लोकतंत्र का मजाक उड़ाया है।

यह ऐसी बात है जिसे जनता को जानना चाहिए। वैचारिक बुराइयों को विचार के द्वारा ही दूर किया जा सकता है इसलिए समाजवादी पार्टी की राय है कि इस सरकार की जितनी भी कुरीतियां हैं जिनके कारण आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई है और सरकार दावा करती है कि हमारी जीडीपी विकास दर बढ़ रही है और औसत आमदनी भी बढ़ी है लेकिन अगर ऊपर के 100 बड़े अमीर आदमियों की आमदनी निकाल दी जाए इस आंकड़े से तो जो बचेगा उसमें औसत प्रति कैपिटा इनकम न के बराबर होगी।

यह ऐसी बातें हैं जो जनता को समझनी चाहिए और हमें उन्हें समझाना चाहिए। धर्म अपनी जगह है धर्म को मानने का सबको अधिकार है। धर्म के नाम पर वोट नहीं मांग सकते लेकिन मांगे जा रहे हैं। यह सब ऐसी कमियां हैं सरकार की जिसका कुप्रभाव आम आदमी पर पड़ता है। लोकतंत्र की परिभाषा है कि जनता की सरकार जनता के द्वारा जनता के लिए लेकिन इस सरकार की कार्यशैली से ऐसा प्रतीत होता है यह सरकार केवल चंद अमीरों के लिए काम करती है या कुछ धार्मिक लोगों के लिए काम करती है। आतंक के बल पर, राष्ट्रद्रोह का मुकदमा कायम करके डराया तो जरूर जा सकता है लेकिन इसके नतीजे अंत में हमेशा हिंसक क्रांति में बदल जाते हैं।

यह सारी बातें जनता को बतानी है इसीलिए समाजवादी पार्टी ने योजना बनाई है कि हम लोक जागरण यात्राओं द्वारा जनता को बताएंगे किस सरकार अपने विज्ञापन में अरबों रुपया खर्च करती है लेकिन जो भी आपको सूचना दी जाती है वह नितांत झूठी और काल्पनिक है। यह जरूरी हो गया है कि समाजवादी पार्टी के लोग गांव-गांव शहर-शहर, गली-गली जाकर नुक्कड़ सभाएं करके व्यक्तिगत मिलकर सोशल मीडिया द्वारा जनता को सचाई से अवगत कराएं।

लोक जागरण अभियान

विजय का बिगुल

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 में विजय पताका फहराने के लिए समाजवादी पार्टी ने संगठन को और मजबूती देने की कवायद तेज कर दी है। 80 हराओ-भाजपा हटाओ नारे के साथ समाजवादी पार्टी ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और आमजन को जागरुक करने के लिए लोक जागरण अभियान के तहत लोक जागरण यात्राएं शुरू करते हुए विजय का बिगुल फूंक दिया है।

लखीमपुर खीरी से प्रशिक्षण शिविर और लोक जागरण अभियान की शुरुआत के बाद पूरे यूपी में लोक जागरण यात्राएं निकालने व समाजवादी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन का ऐलान, संगठन को और धार देने व वैचारिक रूप से कार्यकर्ताओं को प्रखर बनाने की दिशा में समाजवादी पार्टी की यह ठोस पहल है।

चुनाव 2024 जीतने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 80 हराओ-भाजपा हटाओ नारे को अमलीजामा पहनाने के लिए संगठन को और मजबूत करने के लिए समाजवादी प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन का फैसला किया और इसकी शुरुआत 5-6 जून को लखीमपुर से कर दी। बाद में 9-10 जून को सीतापुर में भी समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। आने वाले दिनों में यूपी के सभी जिलों में यह प्रशिक्षण शिविर लगेंगे और लोक जागरण अभियान के तहत लोक जागरण यात्रा निकलेगी।

प्रशिक्षण शिविर का मकसद बिल्कुल स्पष्ट है कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से प्रखर बनाया जाए और उन्हें भाजपा को हराने के तौर-तरीके बताए जाएं। लखीमपुर व सीतापुर के प्रशिक्षण शिविरों में शामिल कार्यकर्ताओं का मानना है कि उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है। भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के मुद्दे समझ में आ गए हैं और तमाम ऐसे नुस्खे सीखने को मिले हैं जिनसे वे अनजान थे।

प्रशिक्षण शिविरों में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को बताया गया है कि जनता

कितनी तकलीफों से जूझ रही है। जीएसटी, नोटबंदी, कानून-व्यवस्था के अलावा दलित-किसानों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों के साथ अन्याय, जातीय जनगणना न कराने के लिए सरकार का अड़ियल रवैया कितना घातक है। महंगाई जैसे मुद्दे पर जनता पिस रही है और उनका कोई पुरसाहाल नहीं है।

ऐसे में समाजवादी पार्टी को ही आगे बढ़कर ठोस हल निकालना होगा क्योंकि समाज जब भी कठिनाई के दौर से गुजरा है तो समाजवादियों ने ही संघर्ष के जरिये रास्ता निकाला है।

बूथ, सेक्टर व जिला स्तर तक के समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को इन प्रशिक्षण शिविरों में बताया गया कि भाजपा सरकार और उसके सहयोगी संगठन किस तरह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के जीवन मूल्यों और आदर्शों को मिटाने की साजिशें कर रहे हैं। इन मूल्यों की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी प्रतिबद्ध है और कार्यकर्ताओं को इसके लिए डटना होगा। लड़ना होगा।

कार्यकर्ताओं को यह भी बताया गया कि भारतीय संविधान में समाजवाद, पंथ निरपेक्षता तथा लोकतंत्र को मान्यता दी गई है। भाजपा सरकार इनकी अवमानना करने के साथ पूंजीपतियों के पक्ष में नीतियां बना रही है। गरीबों को हर तरह से परेशान किया जा रहा है। पिछड़ों, दलितों की उपेक्षा करते हुए आरक्षण विरोधी माहौल बनाया जा रहा है। किस तरह नफरत का माहौल बनाकर भारत की बहुलतावादी संस्कृति पर आघात हो रहे हैं। इसे रोकने के लिए 2024 के चुनाव में सचेत रहते हुए काम करना होगा।

लखीमपुर से लोक जागरण यात्रा की शुरुआत कर सीतापुर तक पहुंचकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने साफतौर पर कार्यकर्ताओं को यह मूलमंत्र पकड़ा दिया है कि उठो, सीखो, चलो, बढ़ो और जीत लो 2024 का चुनाव। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के इस मूलमंत्र की गांठ बांधकर प्रशिक्षण शिविरों से विदाई ली तो उनकी मुट्ठियां भिंची हुई थीं। समाजवादी न्याय की इस लड़ाई में वैचारिक रूप से प्रखर होकर गांव-गिरांव तक पहुंचे ये कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव 2024 में विजय पताका फहराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

कड़ी धूप और शिद्दत की गर्मी में प्रशिक्षण शिविरों से तपकर निकले समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को यह पता चल चुका है कि सत्तारूढ़ भाजपा को हराने के लिए उन्हें कौन-कौन हर्बा-हथियार का इस्तेमाल

करना है।

समाजवादी पार्टी की लोक जागरण यात्रा और प्रशिक्षण शिविर में जिस तरह कार्यकर्ताओं को मुद्दे बताए गए, भाजपा से लड़ने के तौर-तरीके सिखाए गए और जनता के सवालों, जनता की तकलीफों के बारे में जानकारी दी गई, इससे सामाजिक न्याय की लड़ाई को और धार मिलनी तय है। कार्यकर्ता यह समझ चुके हैं कि सामाजिक न्याय की मौजूदा लड़ाई में जातीय जनगणना कितनी जरूरी है। कार्यकर्ताओं के लिए यह महज प्रशिक्षण ही नहीं है बल्कि समाजवादी पार्टी की ओर से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विजय का बिगुल भी है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के एक-एक शब्द को आत्मसात कर प्रशिक्षण शिविर से निकले कार्यकर्ता यह संदेश लेकर निकले हैं कि जनता की तकलीफों को दूर करने के लिए उन्हें भाजपा को सत्ता से अपदस्थ करना ही होगा।

गौरतलब है कि समाजवादी आंदोलनों को धार प्रशिक्षण शिविरों से ही मिला करती है। सामाजिक न्याय की जंग यहीं से प्रखर हुई और जुल्म के खिलाफ क्रांति का बिगुल प्रशिक्षण शिविरों से ही बजा है। इसे नकारा नहीं जा सकता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई जब-जब कुंद हुई है, उसे धार समाजवादी पार्टी ने ही दी है।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताजी-मुलायम सिंह यादव भी इसके कायल थे कि जब देश-प्रदेश पर कोई संकट आए, राजनीति की दिशा भटक कर टेढ़े-मेढ़े रास्तों पर चल पड़े, तब कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर सही दिशा दी जाए। वैचारिक रूप से कार्यकर्ताओं को प्रखर बनाकर नेताजी ने सामाजिक न्याय की लड़ाई को न केवल आगे बढ़ाया बल्कि उसे मजबूती दी।

नेताजी की विरासत के वाहक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बखूबी समझते हैं कि कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से प्रखर बनाए बिना सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूती नहीं दी जा सकती है इसीलिए यूपी के सभी जिलों में प्रशिक्षण शिविर लगाने की उनकी घोषणा के दूरगामी परिणाम आते दिख रहे हैं। सामाजिक न्याय के लिए प्रशिक्षण शिविर और लोक जागरण अभियान की यह शुरुआत आने वाले कल यानी 2024 के चुनाव में राजनीति की नई इबारत गढ़ने जा रही है।

प्रशिक्षण शिविरों में चुनावी तैयारियों पर मंथन

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय की लड़ाई को और धार देने, लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने तथा लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों पर मंथन करने के लिए 5 - 6 जून को समाजवादी पार्टी के लोक जागरण अभियान की शुरुआत लखीमपुर खीरी में आयोजित प्रशिक्षण शिविर से हुई और 9-10 जून को सीतापुर तक पहुंचते-पहुंचते यह अभियान वैचारिक रूप से प्रखर हो गया। अब पूरे उत्तर प्रदेश में लोक जागरण अभियान के तहत समाजवादी प्रशिक्षण शिविरों के जरिये कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन के गुर सिखाए जाएंगे।

लखीमपुर-सीतापुर के प्रशिक्षण शिविरों में कार्यकर्ताओं को लोकतंत्र-संविधान के भविष्य, मंडराते हुए कृषि संकट, समाजवाद

और लोकतंत्र, जातीय जनगणना, देश के आर्थिक संकट, बेरोजगारी, सोशल मीडिया के खतरे और फायदे की बारीकियां समझाईं गईं। यूपी के मौजूदा हालात पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विस्तार से बताया-समझाया और संदेश दिया कि लड़ाई बड़ी है, जनता के सवालों पर एकजुटता से लड़ना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को जिस तरह समझाया-बताया उससे उनमें नई स्फूर्ति आई और उन्होंने देश-प्रदेश में मंडरा रहे संकट से मतदाताओं को सचेत करने का संकल्प लिया।

लखीमपुर में 5-6 जून व सीतापुर में 9-10 जून को प्रशिक्षण शिविर व लोक जागरण अभियान में बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक के करीब 5 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रबंधन की बारीकियां सीखीं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं खासतौर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को बताया कि उन्हें लोकसभा चुनाव 2024 के लिए किस तरह तैयारियां करनी हैं और किन बातों का खास ख्याल रखना होगा। चुनावी मुद्दे क्या हैं और जनता को किस तरह जागरूक किया जाना है।

लखीमपुर

समाजवादी पार्टी का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 5- 6 जून को लखीमपुर में आदर्श जनता इंटर कॉलेज, देवकली में सम्पन्न हुआ जिसमें बूथ स्तर से लेकर जिला तक के 5 हजार प्रशिक्षार्थी शामिल हुए। शिविर में 2024 के लोकसभा चुनाव के बूथ प्रबंधन पर गंभीर रूप से चर्चा हुई।

प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं के बीच तमाम मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई। चुनावी रणनीति बनाई गई। प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत झंडा गीत और ध्वजारोहण से हुई।

कार्यकर्ताओं को बताया गया कि समाजवादियों ने सामाजिक जीवन को समृद्ध एवं सशक्त बनाने के लिए कुछ जीवन मूल्य, आदर्श और सिद्धांत स्थापित किए लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार और सहयोगी संगठन लगातार उन समाजवादी मूल्यों को मिटाने का षड्यंत्र कर रहे हैं। यदि ये मूल्य समाप्त हुए तो आजादी का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। भारतीय संविधान समाजवाद, सामाजिक न्याय और पंथनिरपेक्षता की बात करता है किंतु भाजपा सरकार की नीतियां लगातार पूंजीवादी और पूंजीपति समर्थक होती जा रही हैं।

गरीबों की सुविधाओं में कटौती की जा रही है। आरक्षण के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। पिछड़े वर्गों के आरक्षण में लगातार कटौती की जा रही है। सामाजिक न्याय के लिए जरूरी जातीय जनगणना से इनकार किया जा रहा है। धार्मिक समूहों के बीच कट्टरता, वैमनस्य, घृणा और भेदभाव को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार से जुड़े

अखिलेश का जोरदार स्वागत कड़ी धूप में भी डटे रहे कार्यकर्ता

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का लखीमपुर व सीतापुर में जोरदार स्वागत किया गया। 4 6 डिग्री तापमान भी कार्यकर्ताओं व आमजन को डिगा नहीं सका और वे अपने नेता के स्वागत के लिए डटे रहे। हर तरफ समाजवादी पार्टी के नारे और झंडे ही बुलंद होते दिखे।

लखीमपुर पहुंचने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को फूल मालाओं से अभिनंदन किया गया। बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग, किसान और नौजवान श्री यादव के आगमन के इंतजार में घंटों खड़े रहे। एक झलक पाने और स्वागत के बाद ही ये लोग वहां से रवाना हुए।

संगठनों और सरकार समर्थक मीडिया की भूमिका भी गैरजिम्मेदाराना और चिंताजनक है।

सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के व्यवहार में लोकतांत्रिक मूल्य, शालीनता और गरिमा का घोर अभाव है। विपक्ष के नेताओं के लिए अशिष्ट भाषा एवं गाली गलौज का प्रयोग कर उनका चरित्र हनन किया जाता है। जन आंदोलनों के प्रति नफरत और गुस्से का माहौल बनाया जा रहा है।

प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन के बारे में बताया। राष्ट्रीय महासचिव लालजी वर्मा ने जातीय जनगणना के लिए जागरूकता पर जोर दिया। राष्ट्रीय महासचिव इन्द्रजीत सरोज, स्वामी प्रसाद मौर्य, राम अचल राजभर, प्रो सुधीर पंवार, श्रीमती जूही सिंह, राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह गोप, मिठाई लाल भारती, सुधीर पंवार, राजीव निगम ने भी चुनाव प्रबंधन की बारीकियों पर प्रकाश डाला।

सीतापुर

सीतापुर के नैमिषारण्य में लोक जागरण अभियान के तहत समाजवादी पार्टी का दो दिवसीय समाजवादी प्रशिक्षण शिविर 9-10 जून को संपन्न हुआ। शिविर की शुरुआत प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने ध्वजारोहण कर की। शिविर में बूथ, सेक्टर व जिला स्तर के कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रबंधन की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि

लखीमपुर पहुंचकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूर्व विधायक डॉ आर.ए. उस्मानी, श्री अनस रशीद निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष के आवास पर पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना। बाद में महेवा गढ़ी में स्वर्गीय धीरेन्द्र बहादुर सिंह पूर्व विधायक तथा स्वर्गीय कृष्ण गोपाल पटेल पूर्व विधायक के आवास पर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवारों से संवेदना व्यक्त की।

श्री अखिलेश यादव ने देवकली में स्वर्गीय डॉ कौशल किशोर पूर्व विधायक तथा धौरहरा में स्वर्गीय चौधरी यक्षपाल सिंह की प्रतिमा का अनावरण भी किया। श्री यादव ने प्रशिक्षण शिविर से धौरहरा तक रथ से लोक जागरण यात्रा की। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने पौधारोपण भी किया। वहीं सीतापुर के शिविर के समापन के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लोक जागरण यात्रा पर रवाना होकर सिधौली पहुंचे। वहां पर उन्होंने पूर्व विधायक हरगोविन्द भार्गव के आवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

प्रदेश में आज जो भी विकास कार्य दिख रहे हैं, वे समाजवादी सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव कार्यकर्ताओं के लिए चुनौती है इसलिए चुनाव जीतने का संकल्प लेते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती देनी होगी। पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह ने कहा कि श्री अखिलेश यादव के पास नई सोच है। शिक्षा है। उनमें संभावनाएं हैं इसलिए उन्हें विश्वास है कि समाजवादी पार्टी की युवा शक्ति परिवर्तन जरूर लाएगी।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी ने भी प्रशिक्षणार्थियों को चुनाव प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया। शिविर का संचालन पूर्व एमएलसी आनन्द भदौरिया ने किया।

प्रशिक्षण शिविर में पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद, आर.के. चौधरी, पूर्व सांसद कैसर जहां, अनूप गुप्ता, रामपाल सिंह यादव पूर्व विधायक, एमएलसी जासमीर अंसारी, विकास यादव, डॉ फिदा हुसैन, सीएल वर्मा, गीता सिंह, झीन बाबू, रामपाल राजवंशी, रीबू श्रीवास्तव, अनिल वर्मा, प्रो बी.पी. पाण्डेय, धर्मेन्द्र सोलंकी, दिग्विजय सिंह देव, राधेश्याम जायसवाल आदि मौजूद रहे।

‘लड़ाई बड़ी है कोई नासमझी न करें

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लखीमपुर में प्रशिक्षण शिविर में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रबंधन की बारीकियां समझाते हुए सारगर्भित भाषण दिया। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव केवल सरकार का चुनाव नहीं है। देश के भविष्य का चुनाव है। इस चुनाव से तय होगा कि हम देश की नई पीढ़ी को कैसा भविष्य देकर जाएंगे। भाजपा के लोग संविधान और कानून को नहीं मानते हैं। हमें सतर्क और सावधान रहकर 2014 में यूपी के रास्ते केन्द्र में पहुंचे लोगों को 2024 में यूपी से ही हटाना है।

लोक जागरण अभियान का आगाज करते हुए उन्होंने बूथ, सेक्टर प्रभारियों व कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी मोर्चा पर फेल भाजपा में घबराहट है क्योंकि उन्होंने 9 साल के शासन काल में जनसामान्य के लिए कुछ नहीं किया। सिर्फ पूंजी घरानों का पोषण किया है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सचेत व सावधान रहते हुए भाजपा से लड़ना है। लड़ाई बड़ी है इसलिए कोई नासमझी न करें। एकजुट रहें और जनता के सवालों पर लड़ें।

समाजवादी प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन के लिए श्री यादव ने आभार जताते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के कार्यकर्ता नेता, तैयार रहें। पार्टी का संगठन बूथ स्तर तक बना रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाया कि उन्हें लोक जागरण कार्यक्रम से यह जानना चाहिए कि पिछले चुनाव में चूक कहां रह गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा चुनाव में माहौल समाजवादी पार्टी के पक्ष में था। विधानसभा चुनाव में सभी वर्गों का समर्थन समाजवादी पार्टी को मिला। जनता बदलाव चाहती थी। जनसमर्थन समाजवादी पार्टी के पक्ष में था लेकिन परिणाम विपरीत आया।

कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने की अपील करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सेक्टर और बूथ को मजबूत करना होगा। टकराव खत्म कर कार्यकर्ता बूथ और सेक्टर मजबूत करें। विधानसभा चुनाव में अगर समाजवादियों ने बूथ संभाल लिया होता तो सरकार समाजवादी पार्टी की होती। उन्होंने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में हमें वोट बहुत मिला। नेताओं और कार्यकर्ताओं को समीक्षा करनी चाहिए कि इतना वोट पाने के बाद भी क्यों हार गए?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी। जनता को जागरूक करने के लिए समाजवादी पार्टी की लोक जागरण यात्रा चलती रहेगी। जब तक सेक्टर और बूथ न बन जाएं इसी तरह से कार्यक्रम चलते रहेंगे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सीतापुर में लोक जागरण अभियान के तहत समाजवादी प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि नैमिषारण्य पौराणिक धरती है। यह पवित्र धरती है जहां असुरों के लिए जगह नहीं। जिसका सुर खराब है, जो अत्याचार करे वहीं असुर है। यहां हम जो निर्णय ले रहे हैं उससे असुरों में घबराहट स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भाजपा अब घबरा रही है। यूपी से भाजपा का सफाया होना तय है। भाजपा को हराने का काम समाजवादी ही करेंगे। इसलिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत

करना होगा। उन्होंने कहा अब साफ्ट नहीं, हार्ड बनकर मजबूती से भाजपा का मुकाबला करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नया शब्द इजाद किया है 'साफ्ट हिन्दुत्व'। हम लोग तो पहले से ही बहुत साफ्ट हैं, बस अब हार्ड होने की जरूरत है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा लगातार झूठ बोलकर वोट हथियाने का काम करती रही है। जो वायदे भाजपा ने किए थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री जी का कहना है कि 100 में केवल 4 बेरोजगार हैं। मुख्यमंत्री जी वही करते हैं जो अधिकारी कहते हैं। अधिकारियों ने कह दिया, उन्होंने पढ़ दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब भी समाजवादियों को मौका मिलेगा, जातीय जनगणना कराएंगे। जब तक हम लोग सरकार में नहीं हैं सरकार से जातीय जनगणना कराने को कहेंगे। बिना जातीय जनगणना के सामाजिक न्याय नहीं मिलेगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम समाजवादी और ज्यादातर लोग जातीय जनगणना चाहते हैं। सामाजिक न्याय का रास्ता जातीय जनगणना के बिना पूरा नहीं होगा। इससे समाज और लोकतंत्र मजबूत होगा। संविधान में जनता का भरोसा बढ़ेगा। जातीय जनगणना से पता चलेगा कौन, कितना पीछे है, किसे कितनी मदद की जरूरत है। भाजपा जातीय जनगणना का विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बाबा साहेब के संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। वंचितों, पिछड़ों, दलितों के लिए आरक्षण की व्यवस्था को खत्म करने की साजिश हो रही है। श्री यादव ने कहा भाजपा ने आरक्षण व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया है। पिछड़ों, दलितों का अधिकार छीना, नौकरियों से वंचित किया। पुलिस भर्ती में नई आरक्षण नीति लागू कर पिछड़े वर्ग के 1700 नौजवानों की नौकरी छीन ली। निजीकरण और आउट सोर्स करके संविधान में दिए गए अधिकारों को छीना जा रहा है।

मजबूत बूथ प्रबंधन से भाजपा को हराएं

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने सीतापुर के नैमिषारण्य में आयोजित कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में बूथ, सेक्टर व जिला स्तर के कार्यकर्ताओं से कहा कि मजबूत बूथ प्रबंधन के साथ उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराना है। उन्होंने कार्यकताओं को आगाह किया है कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए कोई भी षड़यंत्र कर सकती है। वह सपा की राह रोकने के लिए हमारे मतदाताओं के नाम तक सूची से कटवा सकती है इसलिए कार्यकर्ता मतदाता सूची में नाम शामिल कराएं और उनकी निगरानी करते रहें।

प्रशिक्षण शिविर में प्रो यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार में भाजपा हारने जा रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा पूरी ताकत झोंकेगी और साजिश करेगी लेकिन हमें डटे रहना है। सतर्क रहते हुए भाजपा की साजिशों का पर्दाफाश कर उसे हराना है। सीतापुर के पुराने समाजवादियों का स्मरण करते हुए प्रो यादव ने कहा कि समाजवादियों का इतिहास बहुत पुराना और शानदार रहा है।

आज की पीढ़ी को अपने नेताओं के संघर्ष और स्वर्णिम अतीत को जानना चाहिए तभी स्वर्णिम भविष्य बनेगा। आजादी की लड़ाई में समाजवादियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एक समय देश में बड़े-बड़े समाजवादी नेता थे। महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश से बड़े-बड़े समाजवादी नेता रहे।

प्रो यादव ने कहा कि राजनीतिक परिस्थितियां बदलती रहती हैं। एक समय देश में इंदिरा जी का एकछत्र राज था लेकिन जनता ने मन बना दिया तो कांग्रेस का सफाया हो गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को विनाश की तरफ ले जा रही है। समाज को तोड़ने का काम कर रही है। देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रही है। नैमिषारण्य में समाजवादी पार्टी का प्रशिक्षण शिविर का संदेश है कि असुरों का विनाश होगा। भाजपा असुर है। यह शिविर उसके विनाश के शस्त्र के रूप में काम करेगा।

प्रो रामगोपाल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून नाम की चीज नहीं बची है। अन्याय की पराकाष्ठा हो गयी है। भाजपा जैसे आई थी वैसे ही पतन की तरफ जाएगी। जनता ने भाजपा को सत्ता से बाहर करने का बना लिया है। 2024 में भाजपा कहीं दिखाई नहीं देगी।

संगठन के बल पर भाजपा को हराना है

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने संगठन की ताकत को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए समाजवादी प्रशिक्षण शिविर में एकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि संगठन को मजबूत करना होगा ताकि संगठन के बल पर 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का यूपी से सफाया किया जा सके।

राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र है। वह दुष्प्रचार करने में माहिर है। दुष्प्रचार रोकने के लिए कार्यकर्ताओं को सजग रहना होगा। सभी जिलों में इस तरह के प्रशिक्षण शिविर लगेंगे ताकि बूथ प्रबंधन को मजबूत किया जा सके और भाजपा का डटकर मुकाबला हो। उन्होंने 2024 का चुनाव जीतने के लिए एकजुटता पर बल दिया।

श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह विफल है। भाजपा सरकार में हर वर्ग परेशान, कानून व्यवस्था ध्वस्त है। पुलिस हिरासत में मौतें हो रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है।

चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आपसी गुटबंदी से दूर रहना होगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अगर गुटबंदी खत्म कर दें तो उनसे ताकतवर कोई नहीं है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि कोई भी समस्या या सुझाव है तो अपनी बात खुलकर प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष से कहें। अगर एकाध बार बात नहीं सुनी गई तो बार-बार कहिए। आपका हक है कहने का, आप डरिए नहीं। हम सब मिलकर भाजपा को भगा देंगे। उन्होंने कहा कि सभी समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दीजिए। आप जैसे ही मोर्चा खोलेंगे ये डर जाएंगे।

लोक जागरण अभियान

अधूरी अहिंसक क्रांति को पूरा करेंगे समाजवादी

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

बर्मिंघम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जियोफ्री ओस्टरगार्ड अपनी चर्चित पुस्तक `नान वायलेंट रिवोल्यूशन इन इंडिया' में जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति के विफल होने पर सवाल करते हैं कि क्या वह दोबारा उसी तेवर के साथ उठेगी? क्या महात्मा गांधी, विनोबा और जेपी के देश में अहिंसक क्रांति होगी? क्या यह पूरी योजना अब असंभव हो गई है? हो सकता है। इस बारे में संदेह के बहुत सारे कारण हैं। लेकिन हमारे सामने जिस तरह तबाही मुंह बाए खड़ी है और मानवता अहिंसा की बजाय हिंसा को राजनीति का व्यावहारिक सिद्धांत मानती जा रही है वैसी स्थिति में चाहे भारतीय हों या गैर भारतीय उनके सामने सर्वश्रेष्ठ उम्मीद यही बचती है कि वे गांधी के रास्ते पर चलें और असंभव को संभव बनाएं। इसलिए हमारे सामने गांधी के रास्ते पर चलते हुए समाजवाद के लिए अहिंसक क्रांति करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता है भी नहीं।

23 तारीख को जब पटना में 15 विपक्षी दलों की बैठक हुई तो वह दो दिन बाद आने वाली आपातकाल की बरसी की याद ताजा कर रही थी। उसी के साथ ताजा हो रहा था डा राम मनोहर लोहिया का सप्तक्रांति का सपना

और जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति का आह्वान। किसी की कविता है-- सारा लोहा उनका अपनी केवल धार। जाहिर सी बात है लोहा कोई भी तैयार करे लेकिन इस देश में उसे धार तो समाजवादियों ने ही दी है। बिना समाजवादियों के न तो स्वाधीनता संग्राम को मुकम्मल विचारधारा मिली और न ही बिना उनके विपक्ष प्राणवान हुआ। 23 तारीख को पटना के मंच पर गैर-भाजपावाद मूर्त रूप ले रहा था। लेकिन उसका संयोजन करने और उसे तेवर देने में समाजवादी ही आगे थे। इसलिए चाहे विनोबा का सर्वोदय हो या आज का गैर-भाजपावाद, समाजवाद उसे वैचारिक प्रखरता प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

यह महज संयोग नहीं है कि रायपुर सम्मेलन में कांग्रेस पार्टी ने समाजवाद को अपने लक्ष्य के तौर पर अपनाया और उसी लक्ष्य पर केंद्रित करते हुए उसने कर्नाटक विधानसभा का चुनाव जीता। कांग्रेस के भीतर से आवाज भी आ रही है कि अब समाजवादियों को कांग्रेस से गैर कांग्रेसवाद के नाम पर दूरी नहीं बरतनी चाहिए। इसीलिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में जोर देकर कहा कि हमें एक होकर लड़ना है। इस बारे में कोई संदेह नहीं है।

इतिहास गवाह है कि समाजवादियों को सत्ता से नहीं सिद्धांतों से प्यार रहा है और उसके लिए उन्होंने कठिन से कठिन संघर्ष किया है। संघियों की तरह वे विचार और सिद्धांत को तिलांजलि देकर एक रहने में यकीन नहीं करते। अगर वे नहीं सुधर पाए तो टूट गए। चाहे यूपीए का दस साल का कार्यकाल रहा हो या एनडीए का दस साल का। समाजवादियों ने अपने अस्तित्व को बचाए रखते हुए काम और संघर्ष किया है। सत्ता के लिए न तो समझौते किए हैं और न ही अन्याय को अन्याय कहने से पीछे हटी है। चाहे संघ परिवार की सांप्रदायिकता हो या कांग्रेस का अपने मूल सिद्धांतों से विचलन हो समाजवादी कभी भी उसका विरोध करने से पीछे नहीं हटे हैं क्योंकि उनका लक्ष्य लोकतंत्र को बचाते हुए एक अहिंसक क्रांति करना रहा है। उनका उद्देश्य समता और समृद्धि तो रहा है साथ में जातीय और सांप्रदायिक भाईचारा भी रहा है।

समाजवादी, संघियों की तरह से हरदम राष्ट्र-राष्ट्र नहीं रटते क्योंकि उनका राष्ट्र सावरकर, गोलवलकर और गोडसे की कल्पनाओं का राष्ट्र नहीं है। वहां किसी को दोयम दर्जा नहीं दिया जाता। वहां कथनी करनी का भेद नहीं है। वे तो इस देश के आमजन को ही राष्ट्र मानते हैं। वे इस देश के किसानों और मजदूरों को राष्ट्र मानते हैं। वे इस देश के पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, स्त्रियों और आदिवासियों को राष्ट्र मानते हैं। वे इस देश की नदियों और पहाड़ों को राष्ट्र मानते हैं। वे इस देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को राष्ट्र मानते हैं। इसलिए वे जब उनकी बेहतरी के

लिए सदैव तत्पर रहते हैं तो राष्ट्र राष्ट्र कहते रहने का क्या मतलब है? लेकिन स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजाद भारत का इतिहास उठाकर देख लीजिए समाजवादियों ने स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को गढ़ने और आजाद भारत में उसे लागू करवाने में निरंतर संसद से सड़क तक संघर्ष किया है।

आजादी के इस अमृत महोत्सव के मौके पर यह याद दिलाना जरूरी है कि जब 1942 में महात्मा गांधी इस वैचारिक भ्रम के शिकार थे कि इस समय अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन किया जाए या न किया जाए तो समाजवादियों ने उन्हें इतना साहस दिलाया कि वे करिये या मरिये का नारा लेकर उतरे। उन्होंने कहा कि आज से सभी लोग अपने को आजाद मान लें।

1967 में जब कांग्रेस का एकाधिकार चरम पर था तो डा राममनोहर लोहिया ने गैर-कांग्रेसवाद का नारा देकर उसे तोड़ा और नौ राज्यों में संविद सरकारों का गठन करवाया। 1974 में जब देश हिंसा, अराजकता और भ्रष्टाचार के चलते तबाही की ओर जा रहा था तो जयप्रकाश नारायण ने विनोबा भावे का सरकार से सहयोग करने का विचार त्याग कर टकराव और संपूर्ण क्रांति का रास्ता अपनाया।

जब 1990 के दशक में देश की सांप्रदायिक एकता को खंडित करने के लिए संघ परिवार ने अयोध्या आंदोलन का अश्वमेध यज्ञ शुरू किया तो समाजवादियों ने ही उनके घोड़े को अपने खेमे में बांध कर उन्हें खूब छकाया। 1993 में मुलायम सिंह और कांशीराम ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए उत्तर प्रदेश में भाजपा को सत्ता में आने से रोक दिया। समाजवादियों में वह शक्ति आज भी है और उसी सिद्धांत और संगठन के बूते पर वे प्रदेश

में दूसरे नंबर की पार्टी हैं। इसी मकसद को देखते हुए पार्टी ने 5-6 जून 2023 को लखीमपुर में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करके 80 हराओ-भाजपा हटाओ अभियान की शुरुआत कर दी है।

दुनिया के इतिहास में भारतीय समाजवादी पुरोधाओं का यह अद्भुत योगदान है कि उन्होंने लोकतंत्र और समता का गठजोड़ बनाया न कि अधिनायकवाद और समता का। उन्हें रोटी के साथ स्वाधीनता भी चाहिए थी। उन्होंने रोटी बनाम स्वाधीनता की बहस नहीं उठाई। उन्होंने वर्ग के साथ जाति की सच्चाई को भी समझा। उन्होंने जाति के साथ लैंगिक भेदभाव को भी मिटाने पर जोर दिया। समाजवादियों ने एक ओर पूरी दुनिया में रंग, नस्ल और जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाई तो दूसरी ओर राष्ट्रों की गैर-बराबरी के विरुद्ध अभियान चलाया। उनके लिए संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता पाने वाला हर राष्ट्र बराबर है और छोटे राष्ट्र की आवाज का वही महत्त्व होना चाहिए जो किसी बड़े राष्ट्र की आवाज का हो। इसीलिए वे वीटो के विरुद्ध थे। उन्होंने पूंजीवाद और साम्यवाद से अलग एक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था की कल्पना की। जहां समुदायों और राष्ट्रों के बीच किसी विवाद के समाधान का रास्ता पुलिस दमन, हिंसा और परमाणु बम की बजाय अहिंसा और सत्याग्रह से होकर गुजरता है।इसी उद्देश्य को देखते हुए डा राम मनोहर लोहिया ने एक विश्व सरकार की कल्पना भी की थी। यानी लोकतंत्र गांव के स्तर से लेकर वैश्विक स्तर तक हो। तभी तो विनोबा राष्ट्र की जय बोलने की बजाय जय जगत कहते थे।

समाजवादियों ने इस राष्ट्र के लिए बलिदान देने में कभी कोई झिझक नहीं दिखाई। इस बात का प्रमाण यह है कि सन 1942 में

लोहिया और जेपी को लाहौर केंद्रीय जेल में रखकर कठोर यातनाएं दी गईं। भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादियों ने भूमिगत रेडियो चलाने से लेकर जेलों से भागने तक का साहसिक काम किया। गोवा मुक्ति के लिए पुर्तगाली सरकार ने डा लोहिया ही नहीं मधु लिमए को भयानक यातनाएं दीं। एक बार तो यह खबर छप गई कि मधु लिमए यातना से मर गए। समाजवादियों ने आपातकाल में भी यातनाएं सहीं और जब आपातकाल नहीं था तब भी जेलें भरने में कसर नहीं छोड़ी। लेकिन उन्होंने न तो किसी के प्रति कटुता पाली और न ही संकीर्ण राष्ट्रवाद का विचार अपनाया।

उनका राष्ट्रवाद गांधी का वह राष्ट्रवाद था जिसके तहत व्यक्ति अपने गांव के लिए बलिदान दे, गांव जिले के लिए, जिला प्रांत के लिए, प्रांत देश के लिए और देश दुनिया के लिए। उनके लिए टैगोर का वह विचार महत्त्व रखता है जो प्रथम विश्व युद्ध के भयानक दृश्य के बाद राष्ट्रवाद के प्रति निर्मित हुआ था।

टैगोर ने राष्ट्र को मानवता के ऊपर रखने का विरोध किया था। उनके लिए व्यक्ति का महत्त्व ज्यादा था। समाजवादियों ने राज्य को महत्व तो दिया लेकिन नागरिक अधिकारों को उससे कम अहमियत नहीं दी। इसीलिए उनके संघर्षों में नागरिक अधिकारों का मुद्दा प्रमुख रहता था। अगर डा राम मनोहर लोहिया बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं का अधिकतम इस्तेमाल करते थे मुलायम सिंह ने फर्जी मुठभेड़ों के विरुद्ध मोर्चा खोला। उसी तरह आज अखिलेश यादव ने बुलडोजर संस्कृति के विरुद्ध सीना तान रखा है।

भारतीय राजनीति में विचार और व्यवहार की जिस समन्वय की जरूरत रही है उस धर्म को सर्वाधिक संतुलित तरीके से समाजवादियों ने ही निभाया है। वे आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी के साथ थे लेकिन उनकी किसी बात पर आंख मूंद कर यकीन नहीं करते थे। वे गांधी से निरंतर प्रश्न करते थे और उन्हें समाजवाद की ओर मोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते थे। लेकिन गांधी के साथ वे भगत सिंह का उतना ही आदर करते थे। इसीलिए डा लोहिया 23 मार्च को अपना जन्मदिन नहीं मनाते थे क्योंकि उस दिन भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव को फांसी हुई थी।

समाजवाद का फलक बड़ा है, उसकी विरासत बड़ी है, उसके पुरखे महान त्यागी और नैतिक रहे हैं। उनके पास एक ओर महात्मा गांधी की थाती है तो दूसरी ओर आचार्य नरेंद्र देव, लोहिया, जेपी, मधु लिमए, कर्पूरी ठाकुर और मुलायम सिंह यादव की विरासत है

हालांकि समाजवाद की नीतियां सुभाष बाबू के विचारों के निकट बैठती थीं लेकिन जब सुभाष बाबू और गांधी का टकराव हुआ तो समाजवादियों ने इसलिए गांधी का साथ दिया क्योंकि वे अहिंसक तरीकों पर दृढ़ थे जबकि सुभाष बाबू नहीं थे।

आजादी की लड़ाई में जब गांधी बनाम आंबेडकर विवाद चरम पर था तब समाजवादी गांधी के साथ थे लेकिन आजादी के बाद डा लोहिया ने डा आंबेडकर के साथ संपर्क साधा और उनके साथ गठजोड़ करने की योजना बनाई। गांधी और आंबेडकर के विचारों में टकराव मिटाने का दर्शन अगर किसी राजनेता के पास था तो वह डा राम मनोहर लोहिया के पास ही था। राष्ट्रीय स्वाधीनता और सामाजिक न्याय दोनों का आवश्यकता को एक साथ महसूस करते थे जिसे समझने में तमाम नेता विफल रहे।

समाजवाद का फलक बड़ा है, उसकी विरासत बड़ी है, उसके पुरखे महान त्यागी और नैतिक रहे हैं। उनके पास एक ओर महात्मा गांधी की थाती है तो दूसरी ओर आचार्य नरेंद्र देव, लोहिया, जेपी, मधु लिमए, कर्पूरी ठाकुर और मुलायम सिंह यादव की विरासत है। इसी बूते पर आज वे समाजवाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र की रक्षा ही नहीं नए संदर्भों में उनकी व्याख्या का संकल्प जता रहे हैं। उन्होंने उठने, सीखने, चलने, बढ़ने और जीतने का जो आह्वान किया है वह हवा हवाई नहीं है। वास्तव में लोकतंत्र तो समाजवादियों के डीएनए में है। हिंदुत्ववादी तो फर्जी दावा करते हैं। राष्ट्र की एकता अखंडता से लेकर व्यक्ति की गरिमा की रक्षा का उच्च विचार उन्हीं के पास है। इसलिए 2024 समाजवादियों का आह्वान कर रहा है कि वे इक्कीसवीं सदी के लोकतंत्र को सामाजिक न्याय के आधार पर परिभाषित करें, नागरिक अधिकारों के आधार पर परिभाषित करें और पूंजीवाद, अधिनायकवाद और हिंदुत्व को पराजित करके सच्चा समतामूलक समाज बनाएं।

एनडीए को हराएगा पीडीए

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने न्यूज चैनल एनडीटीवी के कार्यक्रम 'उम्मीदों का उत्तर प्रदेश' में कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों यानि पीडीए की एकता, एनडीए-भाजपा गठबंधन पर भारी पड़ने जा रही है। पीडीए (पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक) मिलकर एनडीए को हराएंगे और जिस तरह 2014 में भाजपा सत्ता में आई थी, उसकी यूपी से वैसे ही विदाई तय है।

17 जून के एनडीटीवी के कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सिलसिलेवार महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व कानून व्यवस्था पर जिस तरह तर्कसंगत बात रखी, उसकी खूब तारीफ हो रही है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा नारा है 80 हराओ-भाजपा हटाओ। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में महंगाई, बेरोजगारी, गरीब का सम्मान और उसे न्याय तथा सुविधाएं दिलाना समाजवादी पार्टी का बड़ा मुद्दा होगा। जिस तरह जनता परेशान है, त्रस्त है और भाजपा सरकार के प्रति गुस्सा है उससे तय है कि गरीब, किसान, नौजवान भाजपा के खिलाफ वोट करेगा।

विपक्षी एकता के फार्मूला के सवाल पर श्री अखिलेश यादव ने दो टूक कहा है कि फार्मूला बिल्कुल स्पष्ट है कि जिस प्रदेश में जो भी दल सबसे मजबूत हो उसे आगे कर दूसरे दल चुनाव लड़ें। चुनाव और एकता के लिए बड़े दिल की जरूरत होती है। उन्होंने साफतौर पर कहा कि जो भी दल भाजपा को हराना चाहते है वे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का साथ देने में बड़ा दिल दिखाएं। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य भाजपा को प्रदेश की सभी 80 सीटों पर हराना है। जनता भी बदलाव चाहती है इसलिए समाजवादी पार्टी के साथ है।

एक सवाल के जवाब में श्री यादव ने कहा कि जिसकी तैयारी जमीन पर होगी वही चुनाव लड़ पाएगा। भाजपा बड़ी-बड़ी कम्पनियों की सेवा लेकर पैसों से चुनाव लड़ती है। भाजपा से लड़ने के लिए समाजवादी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को जमीन पर तैयार कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने समाजवादी पार्टी को बड़े पैमाने पर वोट दिया था।

एक प्रश्न पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग और त्वरित रिस्पांस के लिए उन्होंने अधिकारियों को विदेशों में भेजकर अध्ययन कराया और फिर डायल 100 सेवा शुरू की ताकि गांव का कोई व्यक्ति अगर मुश्किल में हो और उसे पुलिस की जरूरत हो तो एक फोन पर पुलिस उसके पास पहुंचे, उसे थानों का चक्कर न लगाना पड़े। आज किसी से भी पूछिए, अधिकारी हो या जनता, सब कह रहे हैं कि पुलिस का यह सिस्टम बहुत कारगर है। लखनऊ में यूपी का पुलिस

हेडक्वार्टर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भाजपा सरकार ने क्या किया, उनसे पूछिए।स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए समाजवादी सरकार में कितने काम हुए, किसी से छिपा नहीं है। वहीं भाजपा सरकार ने पुलिस व स्वास्थ्य सेवाओं को चौपट कर दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता सब देख रही है, महंगाई चरम पर है, किसान परेशान है, उसे फसलों का दाम नहीं मिल पा रहा है। जनता भी तैयार है और वह समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर यूपी से भाजपा को हराएगी। भाजपा को हराने के बाद समाजवादी पार्टी जनता की उम्मीदों को पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने कुछ भी नहीं किया है। पिछड़े, दलितों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। आउटसोर्स और कांटैक्ट पर काम कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा आरक्षण खत्म करना चाहती है।

वह बताए कि निजीकरण की तरफ क्यों जा रही है? आउटसोर्स क्यों कर रही है? जातीय जनगणना से क्यों भाग रही है जो कि हक दिलाने के लिए बेहद जरूरी है। श्री अखिलेश यादव ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जातीय जनगणना के बाद ही सामाजिक न्याय मिल पाएगा। आबादी के हिसाब से हक और सम्मान देना है तो जातीय जनगणना जरूरी है। भाजपा समाज को तोड़ने और लड़ाने का काम करती है। वह सामाजिक न्याय की विरोधी है।

श्री अखिलेश यादव ने इस कार्यक्रम में ऐलान किया कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो जातीय जनगणना कराई जाएगी। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से लोगों की उम्मीद खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पुलिस अन्याय अत्याचार कर रही है। पुलिस के कारनामें शर्मनाक है।

विपक्षी दलों की साझा बैठक में शामिल हुए अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 में एकजुटता प्रदर्शित करने और चुनावी रणनीति पर चर्चा के लिए 23 जून को बिहार की राजधानी पटना में देशभर के विपक्षी दलों की साझा बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी शामिल हुए। श्री अखिलेश यादव के पटना पहुंचने पर बिहार के मुख्यमंत्री श्री नितीश कुमार ने एयरपोर्ट पहुंचकर उनका स्वागत किया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी श्री अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत किया। साझा बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने मजबूती से पार्टी की बात रखी और देश को बचाने के लिए मिलकर लड़ने पर सहमति जाहिर की।

देशभर के विपक्षी दलों की यह बैठक मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने बुलाई थी। मुख्यमंत्री आवास पर करीब पौने चार घंटे तक देशभर के नेताओं के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा और कहा कि देश के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। बाद में संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री

अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार नवजागरण का गवाह बन रहा है। आने वाले वक्त में हम जन आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि पटना का यही संदेश है कि हम सब मिलकर काम करेंगे। देश की जनता और देश कैसे आगे बढ़े, इसपर काम होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बाद में ट्वीट कर सभी का आह्वान किया कि चलो मिलकर बचाएं अपना देश।

विपक्ष की साझा बैठक के प्रथम चरण के बाद अब जुलाई में हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बैठक प्रस्तावित है। बैठक की मेजबानी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे।

पटना में मुख्यमंत्री नितीश कुमार की मेजबानी में हुई साझा बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती फारुख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, सुप्रीया सुले, आदित्य ठाकरे, संजय राऊत, बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, सांसद राघव चड्ढा, संजय सिंह, सीपीआई से डी राजा, सीपीआई एमएल से दीपांकर भट्टाचार्य आदि शामिल हुए।

संगठन की शक्ति पर अखिलेश का जोर

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 में विजय पताका फहराने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव संगठन की शक्ति पर जोर देते हुए लगातार बैठकें कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लोक जागरण अभियान के तहत लोक जागरण यात्राएं व समाजवादी प्रशिक्षण शिविर के साथ कार्यकर्ताओं की बैठकों का भी दौर तेज कर दिया है। बैठकों में श्री अखिलेश यादव बता रहे हैं कि भाजपा से लड़ने के लिए किन-किन मुद्दों पर जनता के बीच बात करनी है।

आदिवासी-पिछड़े इलाकों के कार्यकर्ता हों या पूरब-पश्चिम सभी से सीधा संवाद कर बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मंथन, विमर्श कर रहे हैं। संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन की बूथ स्तर तक समीक्षा कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 29 मई को लखनऊ में राज्य मुख्यालय पर प्रदेश के जिला व महानगर अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल भी मौजूद थे। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का भरोसा संगठन और कार्यकर्ताओं पर है। इन हालात में हमें जनता के साथ रहना है। सेक्टर, बूथ की रणनीति पर अभी से मजबूती से काम करना है। भाजपा की कुनीतियों का पर्दाफाश करना है। संविधान तथा लोकतंत्र को बचाना है।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार और समाजवादी पार्टी की नीतियों के प्रचार में तेजी लाने और अनुशासन तथा संगठित होकर काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी को ऐसा व्यवहार रखना होगा कि किसी को शिकायत न हो। शिष्टाचार बहुत जरूरी है। परस्पर सम्मान और विश्वास से समाजवादी पार्टी का ग्राफ जनता के बीच ऊंचा उठेगा। बैठक में सदस्यता भर्ती, समाजवादी बुलेटिन की सदस्यता, बूथ स्तर पर कमेटियों के गठन तथा प्रभारियों की जिम्मेदारी तय करने पर चर्चा की गई।

बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख

महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने कहा कि भाजपा की कुदृष्टि उत्तर प्रदेश पर है। भाजपा समाजवादी पार्टी के समर्थकों के वोट कटाने की योजना बना रही है। भाजपा सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रही है। वह कोई न कोई साजिश करती रहती है। किसान परेशान है। गेहूं की खरीद फर्जी हुई है। नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। लोकतंत्र को बचाने के लिए सतर्क व सचेत रहते हुए मतदाताओं के नाम कटने से बचाना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव 2 जून को सुदूर व आदिवासी एवं पिछड़े इलाके सोनभद्र व मिर्जापुर से काफी संख्या में आए कार्यकर्ताओं से मुखातिब हुए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, मतदाता सूची पर निगरानी रखने और व्यापक जनसम्पर्क करने का आग्रह किया। श्री यादव ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्र में कोल, बिंद, गोंड, सियार, निषाद, खरवार जातियां हैं, उनके उन्नयन व विकास के लिए कुछ नहीं हो रहा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कि विकासोन्मुखी नीतियां समाजवादी पार्टी ही लागू करती है। समाज के प्रत्येक वर्ग का इसमें प्रतिनिधित्व है।

श्री अखिलेश यादव सोनभद्र व मिर्जापुर से काफी संख्या में आए कार्यकर्ताओं से मुखातिब हुए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, मतदाता सूची पर निगरानी रखने का आग्रह किया

15 जून को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में बड़ी संख्या में एकल समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे एकजुटता, निष्ठा और ईमानदारी से बूथ मजबूत करने के काम में अभी से जुट जाएं। श्री यादव ने कार्यकर्ताओं को सजग करते हुए कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।अब आपसी गुटबंदी नहीं चलेगी। समाजवादी कार्यकर्ता इस बार चूक न करें। बूथ स्तर पर लोकतंत्र को बचाना है। लोकसभा चुनाव बहुत ही गंभीरता से लड़ना और जीतना है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि समाजवादी सरकार की विकास योजनाएं ही आज दिखाई दे रही है और उनसे जनता को लाभ मिल रहा है। भाजपा ने तो समस्याएं ही समस्याएं पैदा की हैं। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। हर वर्ग परेशान है। किसान, नौजवान, मजदूर सभी जीवनयापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने छह साल में जनहित की कोई योजना नहीं चलाई है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने का काम करेगी। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए संकल्पित हैं।

वे दिन

यूं बढ़ता गया कारवां

समाजवादी आंदोलन की सुनहरी यादें

फोटो परिचय

फोटो-1 एवं 2 सन 1967 में जसवंतनगर से नेताजी मुलायम सिंह यादव व किशनी से शिवराज सिंह जी के सोशलिस्ट पार्टी से पहली बार विधायक बनने के बाद मैनपुरी की नगर पालिका में जनता को संबोधित करते हुए लोकबंधु राजनारायण जी। साथ में नेताजी व शिवराज सिंह यादव।

फोटो-3 ग्राम तिमनपुर में जाकर ग्रामीणों को सुनते हुए जार्ज फर्णाडीस जी, नेताजी मुलायम सिंह यादव, पूर्व सांसद रघुनाथ सिंह वर्मा व पार्टी जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव आदि।

फोटो-4,5,6 एवं 7 सन 1981 में तिमनपुर कांड के विरोध में मैनपुरी की सावित्री देवी धर्मशाला में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी, प्रमुख समाजवादी मधु लिमये, साथ में मंचासीन नेताजी मुलायम सिंह यादव , पूर्व विधायक शिवराज सिंह यादव, पूर्व विधायक नत्थू सिंह यादव, रामऔतार शाक्य, रामेश्वर वाल्मिकी, पूर्व सांसद रघुनाथ सिंह वर्मा आदि।

फोटो-8 ग्राम तिमनपुर में निरीक्षण करते प्रखर समाजवादी मधु लिमये व शिवराज सिंह यादव।

फोटो-9 1996 में अपने प्रथम लोकसभा चुनाव के दौरान किशनी के ग्राम शमशेरगंज में आयोजित जनसभा में मंचासीन नेताजी मुलायम सिंह यादव, पूर्व विधायक रामेश्वर दयाल वाल्मिकी, बाबूराम चांदा, विपिन राज सिंह यादव, अरुणाचार्य व पूर्व विधायक शिवराज सिंह यादव आदि।

फोटो-10 अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में मैनपुरी के कलक्ट्रेट में मैनपुरी के वकीलों के लिए चैंबर बनने के बाद उद्घाटन करते हुए नेताजी मुलायम सिंह यादव। साथ में बार एसोसिशन के अध्यक्ष गौरीशंकर यादव एडवोकेट, केपी सिंह चौहान एडवोकेट, विपिन राज सिंह यादव एडवोकेट, देवेंद्र सिंह चौहान एडवोकेट आदि।

प्रस्तुति : विपिन राज सिंह यादव
(सदस्य जिला पंचायत, किशनी, मैनपुरी)

अघोषित आपातकाल ज्यादा खतरनाक

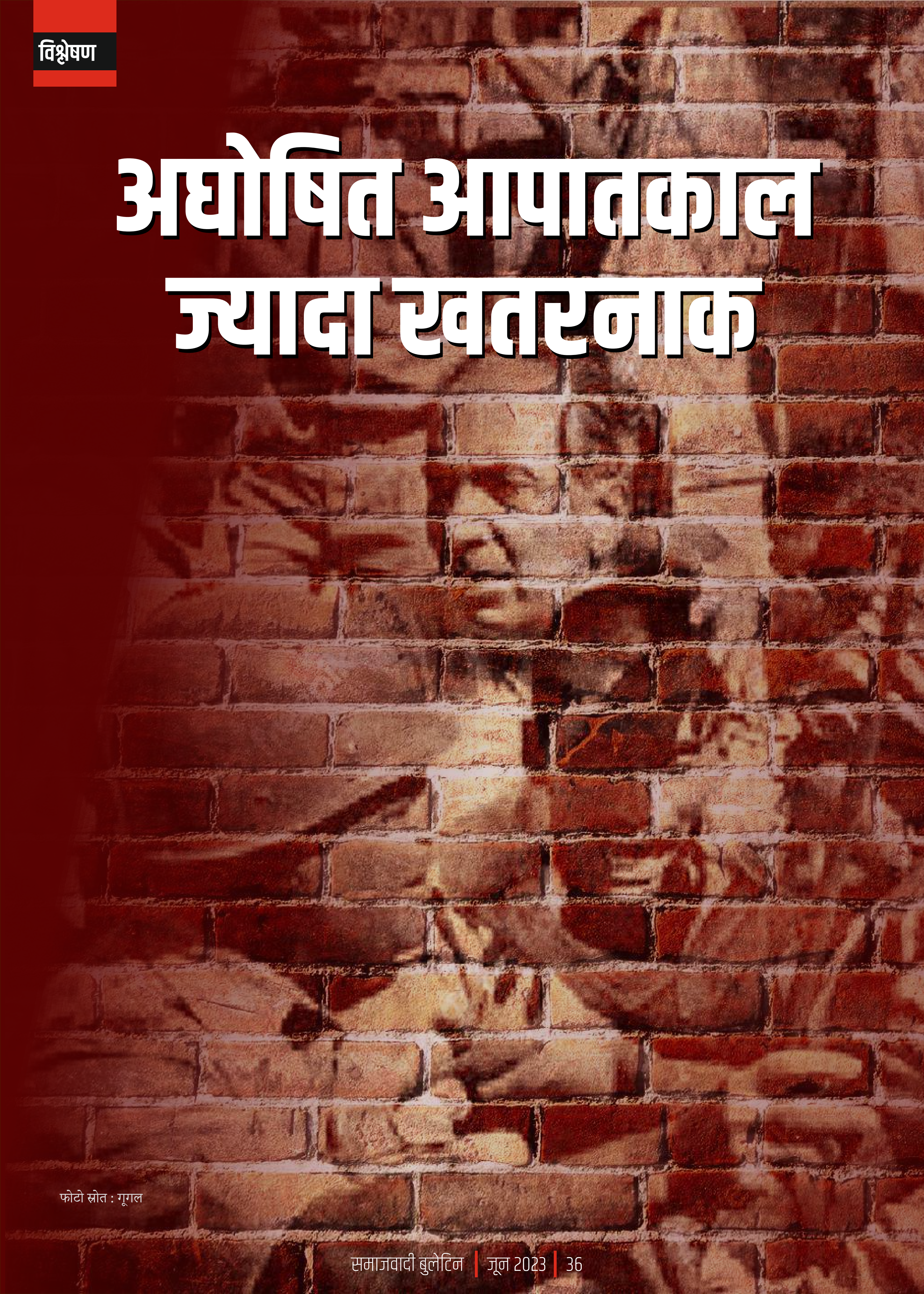

फोटो स्रोत : गूगल

डॉ लक्ष्मण यादव

25 जून 1975 को भारत में पहली बार 'आंतरिक उथल पुथल' को आधार बनाकर आपातकाल लगाया गया और आज भारत में घोषित आपातकाल के बरक्स अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति चल रही है। यह भारत में दो राजनीतिक युग 1975-77 के इंदिरा गांधी के आपातकाल के और नरेंद्र मोदी के 2014 के बाद के शासन के बीच समानता का पता लगाता है।

घोषित आपातकाल भारत की जनता द्वारा चुनी हुई संसद द्वारा संविधान प्रदत्त प्रक्रिया द्वारा त्वरित लागू किया जाता है लेकिन आज के समय में इस अघोषित आपातकाल को पूरी वैचारिक प्रक्रिया द्वारा लागू किया गया है। इंदिरा गांधी ने आपातकाल के सहारे कार्यकारी ज्यादतियों, सत्ता के केंद्रीकरण, असहमति के दमन और सभी मोर्चों पर लोकतंत्र को कमजोर करने का युग शुरू किया।

लगभग 4 दशक बाद, मोदी के "अघोषित आपातकाल" (पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज द्वारा पहली बार गढ़ा गया शब्द) ने एक समान परिवर्तन देखा है। अघोषित आपातकाल में मौजूदा संघ समर्थित मोदी सरकार पहले जनता को झूठ के सहारे डराती है और जनता के उस डर का कारण किसी विशेष समुदाय या किसी विशेष विचार को बनाती है और उनसे निजात पाने के लिए बहुसंख्यक जनता से स्वतंत्रता हासिल करती है कि वो पुलिस और सेना का मनमाना इस्तेमाल कर बहुसंख्यक जनता को उस झूठे डर से बाहर निकाले और इस तरह से बहुसंख्यक जनता सरकार द्वारा शुरू किए गए मनमाने कदम का सपोर्ट करने लगे।

25 जनू को 1975 को लागू आपातकाल के समय छात्र, युवा, भूमिहीन मज़दूर और छोटे किसानों का आन्दोलन चल रहा था। जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में सम्पूर्ण क्रांति तो भूमिहीन कृषक मज़दूरों के नेतृत्व में नक्सल आंदोलन का दौर था। इंदिरा जी ने देश में आपातकाल लागू करके इससे निपटने का तरीका खोजा और जबरदस्त तरीके से इन आंदोलनों के दमन का प्रयास किया। आज की परिस्थिति में इस अघोषित आपातकाल को देखा जाए तो एक पूरे समुदाय को द्वितीयक नागरिक बना दिया गया है और अगर वह जब भी अपने अधिकारों को लेकर आवाज़ उठाने की कोशिश करता है तो उस पर दमन होता है। जो भी जन आंदोलन खड़े हो रहे, उन्हें सरकार के मंत्रियों और मीडिया द्वारा संगठित रूप से टारगेट किया जाता है ताकि उस पूरे आंदोलन को सांप्रदायिक रंग देकर उसे ख़ारिज किया जा सके।

2019 में नागरिकता कानून में हुए संशोधन के खिलाफ शुरू हुए आंदोलन के साथ यही हुआ। ठीक ऐसा ही तरीका किसान आंदोलन के साथ अपनाया गया। मीडिया द्वारा किसानों को देशद्रोही और खालिस्तानी बताया गया लेकिन किसानों की सांगठनिक एकजुटता ने मौजूदा सरकार को झुका दिया।

फोटो स्रोत : गूगल

1975 के दौर में घोषित आपातकाल के दौर में पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया। आज के दौर में पत्रकारों पर दबाव है कि वह सरकार के साथ हो जाए या जनता के साथ होने का खामियाजा भुगते, आज पत्रकारों को आर्थिक रूप से तोड़ दिया जा रहा अगर वह तब भी बच गया तो उसे देशद्रोही बोल सामाजिक बहिष्कार किया जा रहा, और तब भी कुछ गुंजाइश रह गयी तो उसे जेल में डाला जा रहा।

बाबा साहेब ने कहा था देश रूल ऑफ लॉ से शासित होगा लेकिन आज इस दौर में देश बहुसंख्यक जनता के सेंटीमेंट्स पर शासित हो रहा, कोर्ट के फैसले साक्ष्य के आधार पर न होकर बहुसंख्यक जनता की आकांक्षाओं पर हो रहे। सरकार रूल ऑफ लॉ को दरकिनार कर प्रिवेंटिव डिटेंशन कानूनों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है और विवेकाधीन शक्तियों को संसद के तहत बढ़ाती जा रही है ताकि सरकार को मनमाने अधिकार मिल जाएं, जिससे जनता के नागरिक अधिकारों का दमन किया जा सके।

संसद ने यूएपीए और एनआईए जैसे खतरनाक कानूनों में संशोधन कर बड़े स्तर पर सरकार को शक्ति दे दी है जिससे सरकार इन कानूनों का इस्तेमाल कर सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ताओं, छात्र प्रतिनिधियों और पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल भेज रही है। सारे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार अपना नियंत्रण स्थापित कर रही है।

आपातकाल के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने कहा था कि 'इंदिरा ही भारत हैं और भारत ही इंदिरा है'। आज का दौर देखें तो एक मीडिया डिबेट में भाजपा के प्रवक्ता ये कहते हैं कि 'मोदी उनके बाप हैं और पूरे देश के भी बाप हैं'। ये वक्तव्य निरंकुश शासन का प्रमाण है न कि किसी लोकशाही का।

कानूनविद अरविंद नारायण ने 'अनडिक्लेयर्ड इमरजेंसी' शीर्षक से एक पुस्तक लिखी है, जिसपर सैय्यद मुर्तजा अतहर ने लाइव लॉ पर एक समीक्षा लिखी। मुर्तजा लिखते हैं कि 'आज लोकतांत्रिक संस्थानों की स्वतंत्रता पर व्यवस्थित हमले, कानून के शासन और न्यायिक जवाबदेही को बार-बार कमजोर किया जा रहा है। यह संविधान में निहित मूलभूत सिद्धांतों और मूल्यों पर एक अभूतपूर्व हमला है।

हालाँकि संवैधानिक तोड़फोड़ की इस राजनीतिक-कानूनी परीक्षा की जड़ें 2014 के बाद की भारत सरकार से शुरू हुई हैं। प्रत्येक संस्थान पर क्रूर हमले से एक स्पष्ट अंतर निकाला जा सकता है जो भारतीय संवैधानिक इतिहास में अभूतपूर्व है। वर्तमान सरकार, 1975 की सरकार के विपरीत, मुख्यधारा मीडिया की मदद से

लोकप्रिय समर्थन प्राप्त करती है। कॉर्पोरेट घरानों द्वारा पोषित, समझौतावादी संवैधानिक संस्थानों द्वारा सेवा के साथ-साथ लोगों के महत्वपूर्ण बहुमत के बीच जनता का समर्थन, इस खतरनाक संभावना की ओर इशारा करता है कि भारत पहले ही एक सत्तावादी युग में पहुंच चुका है।

बहुमत के लोकप्रिय समर्थन के साथ, भारत एक सत्तावादी शासन से अधिनायकवादी शासन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह परिवर्तन मुसलमानों, अन्य अल्पसंख्यकों, उदारवादियों और कम्युनिस्टों के प्रति घृणा की भावना के रूप में एक बाध्यकारी सामाजिक एकता और हिंदुत्व की विचारधारा से प्रेरित है।'

आपातकाल के समय संवैधानिक प्रावधान के तहत प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली जाती है। लेकिन अगर आज देखा जाए तो लेखक, एक्टिविस्ट, पत्रकार और सिविल सोसाइटी को बिना किसी आपातकाल के या तो देशद्रोही करार दे दिया जाता है या उन्हें जेलों में डाल दिया जाता है। फादर स्टेन स्वामी की जेल में मृत्यु हो जाती है और सरकार और न्यायालय द्वारा उस लगभग 90 साल के सामाजिक कार्यकर्ता को आतंकवादी मानकर एक स्ट्रॉ पाइप इस्तेमाल करने तक की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया कि उसमें भी कोई साजिश हो सकती है।

लोगों के घरों पर बिना किसी कानून की सम्यक प्रक्रिया के बुलडोजर चलाये जा रहे बिल्कुल रोलेट एक्ट की तरह न कोई सुनवाई,न कोई ट्रायल, केवल आरोप के आधार पर इस बुलडोजर राज को बहुसंख्यक जनता से सैंक्शन दिलाया जा रहा। पुलिस एनकाउंटर की संख्या बढ़ती जा रही है तो दूसरी तरफ पुलिस की हिरासत में लोगों की हत्या हो जा रही और मीडिया द्वारा एक सवाल तक नहीं पूछा जाता है।

संस्थाओं पर सरकार अपना नियंत्रण बढ़ाती जा रही है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर लगातार संदेह खड़ा होता जा रहा। सीबीआई और ईडी जैसी संस्थाओं को विपक्ष की आवाज़ को दबाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा। न्यायपालिका पर सरकार के पक्ष में खड़ा होने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

आपातकाल के समय संवैधानिक प्रावधान के तहत प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली जाती है। लेकिन अगर आज देखा जाए तो लेखक, एक्टिविस्ट, पत्रकार और सिविल सोसाइटी को बिना किसी आपातकाल के या तो देशद्रोही करार दे दिया जाता है या उन्हें जेलों में डाल दिया जाता है

सूचना के अधिनियम को दंत विहीन कर दिया गया है। मीडिया सरकार की ऐसी मुख पत्र हो गयी है कि विपक्ष के नेताओं के सवालों का जवाब खुद मीडिया सरकार के प्रवक्ता के रूप में दे रही है। बुद्धिजीवियों को अर्बन नक्सल बोलकर उन्हें टारगेट किया जा रहा। सरकार इस कदर निरंकुश हो गयी है कि मॉब लींचिंग के आरोपी और रेप के दोषियों को सरकार के मंत्री माला पहनाकर स्वागत करते हैं।

इस प्रकार संघ समर्थित मोदी शासन के अघोषित आपातकाल के 2 चरण है- पहला रूल ऑफ लॉ के बरक्स जनता द्वारा चुनी हुई सरकार अर्थात बहुमत की सरकार ही रूल ऑफ लॉ है अर्थात सत्तावादी शासन की शुरुआत। दूसरा चरण है जैसे जैसे सत्ता वाद बढ़ता जा रहा वैसे वैसे सरकार में बैठा व्यक्ति निरंकुश शासन की तरफ बढ़ रहा है और सारे संस्थाओं और तंत्र पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर रहा है। अगर इंदिरा गांधी आज के दौर के सत्ता के शासन से वाकिफ होतीं तो जरूर वे भी अघोषित आपातकाल का सहारा लेकर इतिहास में एक विलेन न साबित होतीं और लोकप्रिय जन समर्थन हासिल कर अपने आप को निर्दोष बतातीं।

(लेखक दिल्ली विवि में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं)

अध्यादेश पर आप को मिला सपा का साथ

बुलेटिन ब्यूरो

अन्याय के खिलाफ साथ हमेशा खड़े होने के अपने सिद्धांत पर अमल करते हुए समाजवादी पार्टी ने दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण संबंधी केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का भरोसा दिया है। यह भराेसा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल को दिया। समाजवादी पार्टी का साथ मिलने पर आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार जताया है।

7 जून को दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय पहुंचकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की और उन्हें अध्यादेश के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समाजवादी पार्टी के

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को बताया कि यह अन्याय है इसलिए इसके खिलाफ वह समर्थन मांगने आए हैं। श्री केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान भी थे।

श्री अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार के अध्यादेश को लोकतंत्र विरोधी बताते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को भरोसा दिया कि समाजवादी पार्टी उनके साथ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस अध्यादेश के खिलाफ समाजवादी पार्टी पूरी तरह से श्री अरविंद केजरीवाल का समर्थन करेगी। श्री अखिलेश यादव ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस अध्यादेश की सोच लोकतंत्र विरोधी है। केंद्र की भाजपा सरकार को दिल्ली सरकार का काम रास नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा अच्छे काम और अच्छी सोच देखकर घबरा रही है। आम आदमी पार्टी ने समर्थन करने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के बीच मुलाकात के समय पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सदस्य संजय सिंह, दिल्ली की शिक्षा मंत्री सुश्री आतिशी, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधानसभा में मुख्य सचेतक डॉ मनोज पाण्डेय आदि मौजूद थे।

चौधरी लालता प्रसाद निषाद का सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पिछले वर्षों की तरह इस बार भी जन्मदिन पर गाजीपुर के वरिष्ठ नेता चौधरी लालता प्रसाद निषाद का राज्य मुख्यालय पर स्वागत एवं सम्मान किया। चौधरी लालता प्रसाद निषाद का यह 87वां जन्मदिन रहा।

गाजीपुर जिले के ग्राम चाडीपुर में 16 जून 1937 में श्री लालता प्रसाद निषाद का जन्म हुआ था। वह 1985 में गाजीपुर से विधायक भी रहे थे। श्री लालता प्रसाद निषाद की शुरू से ही समाज सेवा में रुचि थी। वे सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए बराबर संघर्ष करते रहे। समाज के पिछड़े लोगों के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ते रहे। शराब गांजा-भांग के नशे के खिलाफ समाज को जगाने का काम किया और ताउम्र खुद को नशे से दूर रखा।

श्री लालता प्रसाद निषाद ने 1970 के दशक में चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व में राजनीति शुरू की और 2008 में श्री मुलायम सिंह यादव और समाजवादी पार्टी की विचारधारा से जुडकर पार्टी को आगे बढ़ाने के काम में जुट गए। उन्होंने यह भी तय किया कि अब वे कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे और आजन्म समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव के प्रति निष्ठावान रहकर सामाजिक न्याय के लिए संघर्षरत रहेंगे।

आजम साहब पर दर्ज फर्जी मुकदमों का विरोध

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद आजम खान साहब पर फर्जी व झूठे मुकदमे लगाकर विद्वेषपूर्ण कार्यवाही के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने आवाज बुलंद करते हुए विरोध दर्ज कराया है। समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर रामपुर पहुंचकर जिलाधिकारी से इन कार्यवाहियों का विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि यह सब समाजवादी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता व जनाधार की वजह से किया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सांसदों, विधायकों व वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल 27 मई को रामपुर पहुंचा।

प्रतिनिधिमंडल ने रामपुर के जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें कहा गया है कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान पर झूठे इल्जाम लगाकर फर्जी मुकदमे दर्ज कर उन्हें, उनकी पत्नी श्रीमती तंजीन फातिमा पूर्व सांसद तथा विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम को वर्षों जेल में रखा गया। माननीय न्यायालय के हस्तक्षेप से वे मुक्त हुए।

इसी बीच आजम खान साहब पर फर्जी केस और तथाकथित हेट स्पीच पर अधिकतम सजा देकर घंटे भर के अन्दर उनकी विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई। उनके वोट देने का अधिकार भी छीन लिया गया। 24 मई 2023 को एमपी/एमएलए कोर्ट ने जब उन्हें बरी कर दिया तो पुलिस और प्रशासन ने गुंडागर्दी कर पैरोकारों तथा गवाहों को उनके घरों से जबरन उठाकर थाने में बंद कर दिया। प्रतिनिधिमंडल ने तत्काल हस्तक्षेप कर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम साहब तथा उनके परिजनों, समर्थकों पर हो रहे अत्याचार तथा अवैधानिक कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री सांसद, शफीकुर्रहमान बर्क, सांसद एसटी हसन, सांसद जावेद अली, विधायक महबूब अली, इकबाल महमूद, कमाल अख्तर, नबाव जान, मो फहीम इरफान, हाजी नासिर कुरैशी, नसीर अहमद खां, जियाउर्रहमान, राम खिलाडी सिंह यादव, समर पाल सिंह, श्रीमती पिंकी, एमएलसी शहनवाज खान, पूर्व मंत्री जावेद आब्दी, यूसुफ अंसारी पूर्व विधायक, मस्तराम जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी अमरोहा, डीपी यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी मुरादाबाद, असगर अली जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी सम्भल, फिरोज खां पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी सम्भल, जयवीर सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी मुरादाबाद, इकबाल हुसैन अंसारी महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी मुरादाबाद आदि शामिल रहे।

अखिलेश ने होनहार विद्यार्थियों को दिए लैपटॉप

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए उपहार स्वरूप लैपटॉप दिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इन मेधावी छात्र-छात्राओं को शाबाशी देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। 26 मई को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर एक कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में उत्तीर्ण मेधावी चार छात्राओं कानपुर कर्नलगंज की कुमारी अनुष्का सोनकर, विधूना औरैया की कुमारी आकांक्षा, यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में उत्तीर्ण ग्वालियर रोड आगरा की कुमारी सिमरन, हाईस्कूल परीक्षा 2022 में सीबीएसई बोर्ड की जालौन की शौर्य भदौरिया को उपहार स्वरूप लैपटॉप देकर उनका उत्साह बढ़ाया।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने यूपी के करीब 20 लाख छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर भविष्य के लिए उन्हें आगे पढ़ने का मौका दिया लेकिन भाजपा सरकार ने छात्रों को लैपटॉप देने का वायदा तो किया

पर उसे पूरा नहीं किया।

13 जून को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर आईसीएसई बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में तीन विषयों में 99.7 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले सीएमएस राजाजीपुरम लखनऊ के छात्र मोहम्मद अर्यान तारिक को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन एवं लखनऊ के शाही इमाम श्री खालिद रशीद फरंगी महली, राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री रामअचल राजभर उपस्थित थे।

17 जून को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने हरदोई जनपद के मल्लावां क्षेत्र के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट यूपी बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र निखिल कुमार एवं सुश्री रिया पटेल को लैपटॉप देकर सम्मानित किया।

श्री रामलाल सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल के छात्र व मल्लावां के पूरनमऊ ग्राम निवासी निखिल कुमार ने हाईस्कूल यूपी बोर्ड की परीक्षा में 97.17 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और उत्तर प्रदेश में छठे स्थान पर रहे जबकि हरदोई जनपद में निखिल का स्थान पहला था जबकि एसडीएलवीएस इंटर कॉलेज ईश्वरपुर साइ, मल्लावां की छात्रा सुश्री रिया पटेल ने जिले में इंटरमीडिएट यूपी बोर्ड की परीक्षा में 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर हरदोई जिले में प्रथम और प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त किया है।

तमिलनाडु को भाया अखिलेश सरकार का कामकाज

बुलेटिन ब्यूरो

तमिलनाडु में श्री अखिलेश यादव की समाजवादी सरकार के कार्यकाल में हुए कामकाज बेहद पसंद किए जा रहे हैं। तमिलनाडु के सामाजिक कार्यकर्ता श्री अखिलेश यादव की सरकार के कामकाज को समझ रहे हैं, उसपर काम कर रहे हैं। जो कामकाज सबसे ज्यादा पसंद आए हैं उनमें शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए काम अधिक हैं।

1 जून को तमिलनाडु के सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंचकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल ने श्री यादव को बताया कि उन्हें समाजवादी सरकार के कामकाज बेहद पसंद आए हैं और वे उसके बारे में विस्तार से जानकारी लेने के उद्देश्य से आए हुए हैं।

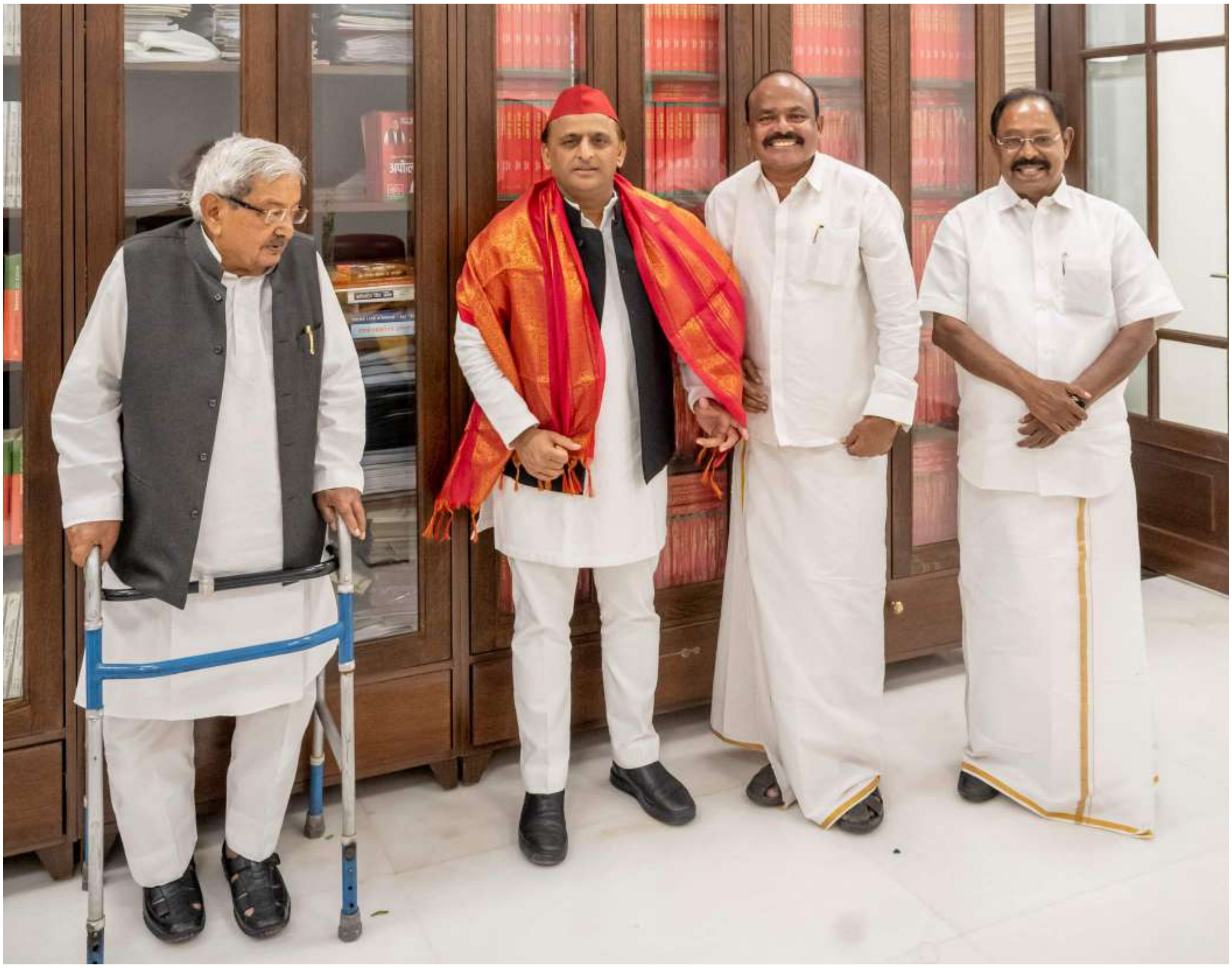

प्रतिनिधिमंडल ने श्री अखिलेश यादव को भगवान श्रीकृष्ण का चित्र भेंट करने के साथ अंगवस्त्रम व लौंग का हार पहनाकर सम्मानित भी किया। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे तमिलनाडु यात्रा के लिए आग्रह भी किया।

तमिल प्रतिनिधियों से पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह गुरुजी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विस्तार से समाजवादी सरकार के कामकाज के बारे में बताया।

श्री अखिलेश यादव और तमिल प्रतिनिधियों के बीच दक्षिण और उत्तर भारत की संस्कृति की समानता, सामाजिक रीति रिवाजों, दक्षिण भारत के मंदिरों की भव्यता तथा स्थापत्य पर विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने बताया कि तमिलनाडु में भगवान श्रीकृष्ण के प्रति काफी श्रद्धा भावना है।

उत्तर प्रदेश में विकास के क्षेत्र में श्री अखिलेश यादव की सरकार के समय हुए काम की प्रशंसा करते हुए बताया कि दक्षिण भारत विशेष कर तमिलनाडु में श्री अखिलेश यादव का बहुत सम्मान है और वहां बड़ी संख्या में उनके समर्थक हैं। तमिल प्रतिनिधियों ने अखिलेश सरकार में उत्तर प्रदेश में मेट्रो रेल, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, गोमती रिवर फ्रंट जैसे उल्लेखनीय निर्माण कार्य के बारे में जानकारी हासिल की।

तमिलनाडु के प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री डॉ रामचंद्रन, वेल मनोहरन, इयोधिराज, थंगापायहम, थानुषोकोड, ओएमबी रामदास, शभापथी, पोट्ल दुराई, मुथैया नंद कुमार कोयम्बटूर, जयप्रकाश तथा गोपाल कृष्णन उर्फ गोपू शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह
किसानों के सच्चे हमदर्द थे

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर 29 मई को पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कार्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें किसानों का सच्चा हमदर्द व महान नेता बताते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विधानसभा भवन परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी कार्यालय में भी उन्होंने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चौधरी साहब ने किसानों, नौजवानों, मजदूरों को जगाने का काम किया। उन्होंने कहा था कि बिना किसानों के खुशहाली के देश का विकास नहीं होगा। हर वर्ग ने चौधरी साहब को किसानों का नेता माना। उन्होंने कहा है कि समाजवादी पार्टी चौधरी साहब के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लेती है । समाजवादी लोग चाहते हैं कि चौधरी चरण सिंह साहब के सपने पूरे हों।

न्याय, धर्म, समर्पण की प्रतिमूर्ति थीं रानी अहिल्याबाई

वीरांगना रानी अहिल्याबाई होल्कर की 298वीं जयंती पर 31 मई को समाजवादी पार्टी ने पूरे उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प लिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर शिवजी की अनन्य भक्त और न्याय, धर्म, समर्पण की प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने अपने शासन काल में बहुत सामाजिक कार्य कराए। वीरता में उनका दूसरा सानी नहीं था। उनके शासनकाल में जनता सुखी और समृद्ध थी।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दयाराम पाल रहे जबकि अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन वीरेन्द्र पाल एडवोकेट ने किया। इस कार्यक्रम में समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीकृष्ण कन्हैया पाल, समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप, विजय पाल एडवोकेट ने वीरांगना अहिल्या बाई होल्कर के जीवन और समाज, राष्ट्र की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की।

इलियास आज़मी को श्रद्धांजलि

पूर्व सांसद इलियास आज़मी के निधन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके लखनऊ स्थित आवास पर जाकर श्रद्धांजलि दी। श्री यादव ने स्वर्गीय इलियास आजमी के पुत्र अरशद आजमी व अन्य परिवारीजनों को सांत्वना देते हुए ढांढ़स बंधाया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 13 जून को लखनऊ स्थित स्वर्गीय इलियास आजमी के आवास पर जाकर चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। उन्होंने इलियास आजमी के पुत्र अरशद आजमी के अलावा शकील आज़मी, तारिक सिद्दीकी, फहीम सिद्दीकी, आदिल मोहम्मद एवं अफसर अहमद से मुलाकात की।

इलियास आजमी को याद करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उन्होंने जीवन पर्यंत गरीबों, मजलूमों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के लिए काम किया। उनकी कमी हमेशा खलेगी।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
सामाजिक न्याय यात्रा ~ जातीय जनगणना रास्ता
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
नैमिषारण्य का संदेश :

अबकी भाजपा हारेगी बूथ-बूथ
अहंकार उतारेगा यूथ!...

#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
अब केवल 'आजतक' की बात करने से बात नहीं बनेगी 'कलतक' की बात करनी पड़ेगी क्योंकि हमारी आँख भविष्य पर है।
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
आजमगढ़ की यात्रा।
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
अब भाजपा कह रही है कि उप्र में उसकी अधिकांश लोकसभा सीटें 'रेड ज़ोन' में है तो इसका अर्थ ये है कि जनता की पक्षधर समाजवादी पार्टी का लाल रंग, अपना रंग दिखा रहा है। सपा की 'रेड पॉवर' ही भाजपा के लिए 'रेड ज़ोन' हैं।

#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
लखीमपुर एवं सीतापुर का दौरा।
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
अपनी हर मुहिम ख़ुद जनता तक चल के जानी है
गाँव-खेत की हर पगडंडी तक ख़ुशहाली लानी है
Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 09 Jun
असुर वही जो अत्याचार करे...

आज के असुरों से जनमानस को बचाने के लिए हम यहां प्रार्थना करने आये हैं।

असुरों का नाश करनेवाली धरती नैमिषारण्य आने पर आज के असुर दुष्प्रचार करेंगे...

जो किसी की भक्ति पर सवाल उठाये वो अधर्मी हैं

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
PDA मूल रूप से 'पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक' के शोषण, उत्पीड़न व उपेक्षा के ख़िलाफ़ उठती हुई चेतना व समान अनुभूति से जन्मी उस एकता का नाम है, जिसमें हर वर्ग के वे सब लोग भी शामिल हैं, जो मानवता के आधार पर इस तरह की नाइंसाफ़ी के ख़िलाफ़ हैं।

दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सब इससे जुड़ें!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
उप्र में धार्मिक भावनाएँ आहत होने पर जगह-जगह लेखक-निर्देशक व प्रोड्यूसर के ख़िलाफ़ प्रदर्शन व विरोध हो रहे हैं। ऐसी फ़िल्में भारतीय संस्कृति का जो अपमान कर रही हैं, वो भारतीय समाज सहन नहीं करेगा। भाजपाई राजनीति प्राचीन धर्म व मान्यताओं को अपने फ़िल्मी प्रवक्ताओं से दूर ही रखे।
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
सत्ताधारी सांसद के ख़िलाफ़ पुलिस कर रही एफ़आइआर... चांदी की लूट में पुलिसवालों का हाथ... थाने से बरामद हो रहा चोरी का माल... वाह रे वाह भाजपा की डबल इंजन सरकार!

#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ

ooo

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हिंसा की संस्कृति वो आग होती है, जो जब फैलती है तो पलटकर वार करती है। हिंसा के विचार और व्यवहार का प्रचार-प्रसार करनेवालों की चतुर्दिक निंदा होनी चाहिए

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Met youth leader from Karnataka Nikhil Kumaraswamy at the Samajwadi Party office in Lucknow today.

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

इन्वेस्टर्स समिट में पहले तो भाजपा सरकार के दबाव में कुछ निवेशक 'हाँ' कहकर चले गये लेकिन अब उनका पता नहीं चल रहा है। उप्र की भाजपा सरकार दुखी होकर गा रही है... 'जाने कहाँ गये वो लोग'... तो अधिकारी भी गा-गाकर निवेशकों को पुकारते घूम रहे हैं... 'वादा न तोड़-वादा न तोड़'।... twitter.com/i/web/status/1...

Translate Tweet

एमओयू पर हस्ताक्षर कर गायब होने वाले निवेशकों को ढूंढ रहे विभाग

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पूर्व एमएलसी श्री उदयवीर सिंह के पूज्य पिताजी स्वर्गीय श्री कृष्ण पाल सिंह धाकरे जी के निधन पर अर्पित किए श्रद्धा सुमन।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

यू.पी. में तो पुलिसवालों की चांदी है
भाजपा राज में भ्रष्टाचार की आंधी है

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 10 Jun

वीर शिरोमणि महाराजा सुहेलदेव जी की जयंती पर श्रद्धापूर्वक नमन।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

आज उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव श्री अखण्ड प्रताप सिंह जी के निधन पर उनके आवास पर अर्पित की श्रद्धांजलि।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 02 Jun

जिनसे गोरखपुर नहीं संभल रहा वो बाकी क्या...

गोरखपुर में शोहदों से तंग छात्रा ने कॉलेज जाना छोड़ा: बोला- 'बात करती रहो, नहीं तो अंजाम भुगतने को तैयार रहना', एक छात्रा की फेसबुक पर डाली अश्लील फोटो

गोरखपुर 2 घंटे पहले

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा ने देश की हवा ख़राब कर दी है।

Translate Tweet

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 52 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए

हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।

आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी,
शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।

हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में,
हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए।

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।

मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

- दुष्यंत कुमार
(साभार: कविता कोश)

समाजवादी पार्टी